2012 (A)

सामाजिक विज्ञान

समय : 3 घंटे + 15 मिनट] [पूर्णांक :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : 2011 (A) का निर्देश देखें।

ग्रुप-A : इतिहास (25 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

1. अंकोरवाट का मंदिर कहाँ स्थित है?
   (क) वियतनाम (ख) लाओस (ग) कम्बोडिया (घ) थाईलैंड
2. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना कब हुई?
   (क) 1923 (ख) 1925 (ग) 1928 (घ) 1930
3. बोल्शेविक क्रांति कब हुई?
   (क) जनवरी, 1905 (ख) फरवरी, 1917

AA ONLINE SOLUTION

सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

4. सन् 1922 में 'हिन्दुस्तान टाइम्स' का सम्पादन ..... ने किया।
5. सेडोवा का युद्ध ..... और ..... के बीच हुआ था। 1
6. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गाँधी के योगदानों का उल्लेख करें। 1

अथवा, 5

औद्योगीकरण के परिणामस्वरूप होने वाले परिवर्तनों पर प्रकाश डालें।

7. अखिल भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना कब हुई? इसके दो मुख्य उद्देश्यों का उल्लेख करें। 3
8. भारतीय प्रेस की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन करें। 3
9. सन् 1929 के आर्थिक संकट के किन्हीं दो कारणों का उल्लेख करें। 2
10. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका का संक्षिप्त विवरण दें। 3
11. औद्योगिक आयोग की नियुक्ति कब हुई? इसके क्या उद्देश्य थे? 2
12. आर्थिक तथा प्रशासनिक संदर्भ में ग्रामीण तथा नगरीय व्यवस्था के दो प्रमुख आधार क्या हैं? 2

ग्रुप-B : भूगोल (25 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

13. सन् 2001 में बिहार की जनसंख्या निम्न में से क्या थी? 1

(क) आठ करोड़ से कम (ख) नौ करोड़ से कम
(ग) आठ करोड़ से अधिक (घ) नौ करोड़ से अधिक

14. पंजाब की भूमि निम्नीकरण की मुख्य कारण निम्न में से कौन है? 1

(क) वनोन्मूलन (ख) गहन खेती
(ग) अति पशुचारण (घ) अधिक सिंचाई

15. पक्की सड़कों की लम्बाई की दृष्टि से प्रथम स्थान पर कौन राज्य है? 1

(क) बिहार (ख) महाराष्ट्र (ग) तमिलनाडु (घ) केरल

16. निम्नलिखित में खरीफ फसल कौन है? 1

(क) गेहूँ (ख) सरसों (ग) चावल (घ) मटर

सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

17. तमिलनाडु में ..... की पहाड़ियों पर चाय एवं कॉफी की खेती की जाती है। 1
18. चावल की फसल के लिए उपयुक्त भौगोलिक दशाओं का उल्लेख करें। 3
19. उद्योगों के स्थानीयकरण के तीन मुख्य कारकों को लिखें। 3
20. खादर और बांगर मिट्टी में अंतर स्पष्ट करें। 2
21. मैंगनीज के उपयोग पर प्रकाश डालें। 2
22. समोच्च रेखा से आप क्या समझते हैं? 2
23. "बिहार की जनसंख्या सभी जगह एकसमान नहीं है।" स्पष्ट करें। 3
24. भारतीय रेल परिवहन की विशेषताओं का वर्णन करें। 5

अथवा,

पूरे पृष्ठ पर भारत का एक रेखा मानचित्र बनाइये तथा निम्नलिखित को छायांकित कर अंकित कीजिए—

(क) पेट्रोलियम उत्पादक एक क्षेत्र (ख) कपास उत्पादक एक क्षेत्र
(ग) विरल जनसंख्या का एक क्षेत्र

अथवा,

केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए—

भारत में सूती वस्त्र उद्योग के वितरण का वर्णन करें।

AA ONLINE SOLUTION

ग्रुप-C : लोकतांत्रिक राजनीति (22 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

25. संघ राज्य की विशेषता नहीं है 1
(क) लिखित संविधान (ख) शक्तियों का विभाजन
(ग) एकहरी शासन व्यवस्था (घ) सर्वोच्च न्यायालय

26. 15वीं लोकसभा चुनाव से पूर्व लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी थी 1
(क) 10 प्रतिशत (ख) 5 प्रतिशत (ग) 33 प्रतिशत (घ) 50 प्रतिशत

27. जिला परिषद् के तीन कार्य लिखें। 3

28. राजनीतिक दल किस तरह सत्ता में साझेदारी करते हैं? 5
अथवा, ग्राम पंचायत के कार्यों एवं शक्तियों का वर्णन करें।

29. 'सूचना के अधिकार आंदोलन' के मुख्य उद्देश्य क्या थे? 3

30. भाषा नीति क्या है? 3

31. जीवन के विभिन्न पहलुओं का जिक्र करें जिनमें भारत में स्त्रियों के साथ भेद-भाव है या वे कमजोर स्थिति में हैं। 2

32. राजनीतिक दलों की दो प्रमुख चुनौतियों को संक्षेप में लिखें। 2

सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

33. न्यायपालिका में ..... के प्रति निष्ठा होनी चाहिए। 1

34. भारतीय संसद में महिलाओं को ..... प्रतिशत आरक्षण देने की माँग की गयी है। 1

ग्रुप-D : अर्थशास्त्र (22 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

35. भारत में सहकारिता आन्दोलन का प्रारंभ कब हुआ? 1
(क) 1904 (ख) 1905 (ग) 1907 (घ) 1920

36. भारत की आर्थिक व्यवस्था है 1
(क) समाजवादी (ख) पूँजीवादी (ग) मिश्रित (घ) इनमें से कोई नहीं

37. निजीकरण से आप क्या समझते हैं? 3

38. आर्थिक विकास क्या है? आर्थिक विकास तथा आर्थिक वृद्धि में अंतर बताइए। 5
अथवा, वस्तु विनिमय प्रणाली की कठिनाइयों का वर्णन करें।

39. स्वयं सहायता समूह से आप क्या समझते हैं? 3

40. मुद्रा के कार्य लिखें। 3

41. निम्न का विस्तारित रूप लिखें— (क) आर॰बी॰आई॰ (ख) जी॰एन॰पी॰ 2

42. ए॰टी॰एम॰ क्या है? 2

सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

43. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना ..... ई॰ में हुई। 1

44. प्रथम पंचवर्षीय योजना ..... ई॰ में शुरू हुआ। 1

ग्रुप-E : आपदा प्रबंधन (6 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

45. मानव शरीर में आग से जलने की स्थिति में जले हुए स्थान पर क्या प्राथमिक उपचार करना चाहिए? 1
(क) ठंडा पानी डालना (ख) गर्म पानी डालना
(ग) अस्पताल पहुँचाना (घ) इनमें से कोई नहीं

46. आपदा से आप क्या समझते हैं? 3

47. हैम रेडियो के उपयोग पर प्रकाश डालिए। 2

AAONLINESOLUTION

उत्तर (Answers)

1. (ग) 2. (ख) 3. (ग)

4. के॰एम॰ पन्निकर 5. आस्ट्रिया, प्रशा

6. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गाँधी सर्वाधिक लोकप्रिय हुए क्योंकि राष्ट्रीय आंदोलन के महत्त्वपूर्ण कालखण्ड 1919 से 1947 ई॰ के युग में राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व महात्मा गाँधी द्वारा ही किया गया और जिसमें वह सफल भी रहे। उन्होंने सर्वप्रथम बिहार के चंपारण जिले में नील की खेती करने वाले किसानों पर हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष किया। गाँधीजी ने 'सत्याग्रह' का सहारा लेकर सरकार को विवश किया कि वे नील की खेती करने वाले किसानों को सुविधाएँ प्रदान करें। 1919 ई॰ में जालियाँवाला बाग की घटना के बाद गाँधीजी ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजा दिया। 1920 ई॰ में महात्मा गाँधी ने अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध 'असहयोग आंदोलन' की नींव रखी जिसमें बड़ी संख्या में भारतीयों ने भाग लिया तथा इसे आशा से अधिक सफलता मिली। चौरा-चौरी की घटना के बाद गाँधीजी ने इसे स्थगित कर दिया और 1930 ई॰ में दाण्डी यात्रा कर नमक कानून का उल्लंघन किया तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन को प्रारंभ किया। 1934 ई॰ तक यह आंदोलन चलता रहा। 1942 ई॰ में गाँधीजी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' की घोषणा की तथा भारतीयों को 'करो या मरो' का मंत्र दिया।

महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीयता की भावना को गाँव-गाँव तक पहुँचाया तथा कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे आन्दोलनों में परिवर्तित कर राष्ट्रीय आंदोलन को मजबूती प्रदान की।

अथवा,

इंग्लैंड के औद्योगिक क्रांति का प्रभाव उसके उपनिवेश भारत पर भी पड़ा। उपनिवेशों में मौजूद संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर अपने उद्योग और व्यापार के विकास करने की नीति अंग्रेजों ने अपनाई। भारत से कच्चे माल का आयात और इंग्लैंड की वस्तुओं का निर्यात करने की नीति सरकार ने अपनाई। इसके लिए सुनियोजित रूप से भारतीय उद्योग विशेषत: वस्त्र उद्योग नष्ट कर दिए गए। 1813 ई॰ में चार्टिस्ट ऐक्ट पारित होने के बाद सरकार ने मुक्त व्यापार की नीति अपनाई। 1850 ई॰ के बाद अंग्रेजी सरकार की नीतियाँ, मुक्त व्यापार की नीतियाँ, भारतीय वस्तुओं के निर्यात और सीमा तथा परिवहन शुल्क लगाने, रेलवे कारखानों में अंग्रेजी पूँजी निवेश आदि के फलस्वरूप भारतीय उद्योग का विनाश हुआ।

7. 5 दिसंबर, 1885 को उन्होंने सार्वजनिक रूप से इंडियन नेशनल कॉंग्रेस की स्थापना की घोषणा की। पूना में प्लेग फैलने से मुंबई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में 28 दिसंबर, 1885 को कॉंग्रेस की स्थापना हुई एवं प्रथम अधिवेशन संपन्न हुआ। अधिवेशन की अध्यक्षता व्योमेशचंद्र बनर्जी ने की। अधिवेशन में भारत के विभिन्न भागों के 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

उद्देश्य : अपनी स्थापना के साथ ही कॉंग्रेस ने अपने लक्ष्य एवं उद्देश्य भी निर्धारित किए। ये निम्नलिखित थे—(i) राजनीतिक और सामाजिक प्रश्नों पर प्रमुख नागरिकों एवं शिक्षित वर्ग के मतों की अभिव्यक्ति करना। (ii) देश के हित तथा उन्नति में लगे सभी व्यक्तियों के बीच व्यक्तिगत घनिष्ठता और मैत्री की स्थापना करना।

8. प्रेस संस्कृति ने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसने राष्ट्रीय आन्दोलन के प्रत्येक पक्ष—राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सभी को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया।

राजनीतिक क्षेत्र में भूमिका : भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन की स्थापना से पूर्व भारतीय समाचार-पत्र भारत में लोकमत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। समाचार-पत्रों ने राजनीतिक शिक्षा देने का दायित्व अपने ऊपर ले रखा था। राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए समाचार-पत्र जनता को जागृत और प्रोत्साहित करते थे।

आर्थिक क्षेत्र में भूमिका : ब्रिटिश सरकार की शोषण वाली आर्थिक नीति के विरुद्ध भी प्रेस ने आवाज उठायी। प्रेस ने अंग्रेजी सरकार द्वारा भारत में हो रहे आर्थिक शोषण की घोर निंदा की।

सामाजिक क्षेत्र में भूमिका : समाज सुधार के क्षेत्र में भी समाचार-पत्रों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रेस ने उस समय के भारतीय समाज के विकृत रूप को लेख के माध्यम से लोगों के सामने प्रस्तुत किया।

9. 1929-30 ई॰ के विश्वव्यापी आर्थिक महामंदी के अनेक कारण थे, जिनमें कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं—

AONLINE SOLUTION

(i) खाद्यान्नों का अत्यधिक उत्पादन : प्रथम विश्वयुद्ध के बाद बाजारों में खाद्यान्नों की आपूर्ति आवश्यकता से अधिक हो गई जिससे इनके मूल्य में कमी आ गई।

(ii) अमेरिकी पूँजी में ठहराव : अब तक अमेरिका "विश्व कर्जदाता" बन चुका था। 1923 ई॰ के बाद अमेरिका के अर्थव्यवस्था पर भी संकट के बादल मँडराने लगे थे।

10. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की प्रमुख भूमिका, 1862 में प्रशा के राजा विलियम प्रथम का चांसलर नियुक्त कर बिस्मार्क ने एकीकरण के लिए 'रक्त और तलवार' की नीति अपनाई। तीन युद्धों (1864 में डेनमार्क से, 1866 में आस्ट्रिया से तथा 1870 में फ्रांस से) द्वारा प्रशा के नेतृत्व में जर्मनी का एकीकरण जनवरी, 1871 में विलियम प्रथम जर्मन सम्राट बना।

11. औद्योगिक आयोग की नियुक्ति 1916 ई॰ में हुई। इसकी नियुक्ति का उद्देश्य था भारतीय उद्योग तथा व्यापार के भारतीय वित्त से संबंधित प्रयत्नों के लिए उन क्षेत्रों का पता लगाना, जिसमें सरकार द्वारा सहायता प्रदान की जा सके।

12. आर्थिक तथा प्रशासनिक संदर्भ में ग्रामीण तथा नगरीय व्यवस्था के दो प्रमुख आधार हैं—
(i) जनसंख्या का घनत्व तथा
(ii) कृषि आधारित आर्थिक क्रियाओं का अनुपात। शहरों में जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है जबकि कृषि आधारित आर्थिक क्रियाओं का अनुपात गाँवों में अधिक होता है।

13. (ग) 14. (घ) 15. (ख) 16. (ग) 17. नीलगिरि

18. भारत में अधिकांश लोगों का खाद्यान्न चावल है। यह एक खरीफ फसल है जिसे उगाने के लिए उच्च तापमान (20° सेल्सियस से 28° सेल्सियस) और आर्द्रता (120 सेंटीमीटर से 150 सेंटीमीटर) की आवश्यकता होती है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में इसे सिंचाई करके उगाया जाता है। नहरों के जाल और नलकूपों की सघनता के कारण पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ कम वर्षा वाले क्षेत्रों में चावल की फसल उगाना संभव हो पाया है।

19. उद्योगों के स्थानीयकरण के तीन कारक निम्न हैं—
(i) कच्चा माल (ii) पूँजी की व्यवस्था और (iii) वृहत् बाजार।

20. नदियों के बाढ़ के मैदान की नयी सूक्ष्म कणों वाली काँप मिट्टी को खादर और नदियों द्वारा जमा की गई पुरानी काँप मिट्टी को बांगर मिट्टी कहते हैं।

21. यह एक महत्त्वपूर्ण खनिज है, जिसका उपयोग लोहा तथा इस्पात बनाने में होता है। मिश्रित धातु बनाने के लिए यह मूलभूत कच्चा पदार्थ है। इसका प्रयोग ब्लीचिंग पाउडर, कीटनाशक दवाएँ, पेंट तथा बैटरियाँ बनाने में होता है। मैंगनीज के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं—(क) उड़ीसा, (ख) मध्य प्रदेश, (ग) कर्नाटक तथा (घ) आन्ध्र प्रदेश।

22. भूतल पर समुद्रतल से एकसमान ऊँचाई को मिलाने वाली काल्पनिक रेखाएँ समोच्च रेखा कहलाती हैं। इस विधि को उच्चावच प्रदर्शन का सर्वश्रेष्ठ विधि माना जाता है। इन रेखाओं को वास्तविक सर्वेक्षण के आधार पर बादामी रंग से खींची जाती है।

23. विभाजित बिहार राज्य के सभी भागों में जनसंख्या का घनत्व समान नहीं है। इसका मुख्य कारण धरातल का स्वरूप, मिट्टी की उर्वरता, सिंचाई व्यवस्था तथा आवागमन के साधन हैं। एक ओर जहाँ पटना जिला का घनत्व सर्वाधिक 1471 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, तो कैमूर जिला में सबसे कम 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। राज्य का पश्चिमी मध्य भाग में घनी आबादी है और पूर्वी एवं दक्षिण में विरल आबादी है।

24. भारतीय रेल परिवहन की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—(i) भारतीय रेल प्रणाली एशिया में सबसे बड़ी तथा विश्व की तीसरी बड़ी रेल प्रणाली है। (ii) 31 मार्च, 2007 ई॰ तक भारतीय रेल के पास 6909 स्टेशन, 8153 रेल इंजन, 45360 यात्री गाड़ियाँ एवं 1905 अन्य सवारी गाड़ियाँ उपलब्ध थीं। (iii) कोलकाता एवं दिल्ली में मेट्रो रेल के तहत भूमिगत रेल सेवा दी जा रही है। (iv) ट्रेनों की दुर्घटना रोकने के लिए इंजनों में ए॰सी॰डी॰ (ACD) की व्यवस्था की गई है। (v) बड़े शहरों में दैनिक यात्रियों के आवागमन के लिए DMU, EMU एवं MEMU रेल सेवाएँ उपलबध हैं। (vi) भारतीय रेल की सबसे अनोखी विशेषता 'जीवन रेखा' का चलाया जाना है। 16 जुलाई, 1991 ई॰ से चलनेवाली यह रेलगाड़ी विश्व का पहला चलन्त अस्पताल है।

A ONLINE SOLUTION

अथवा,

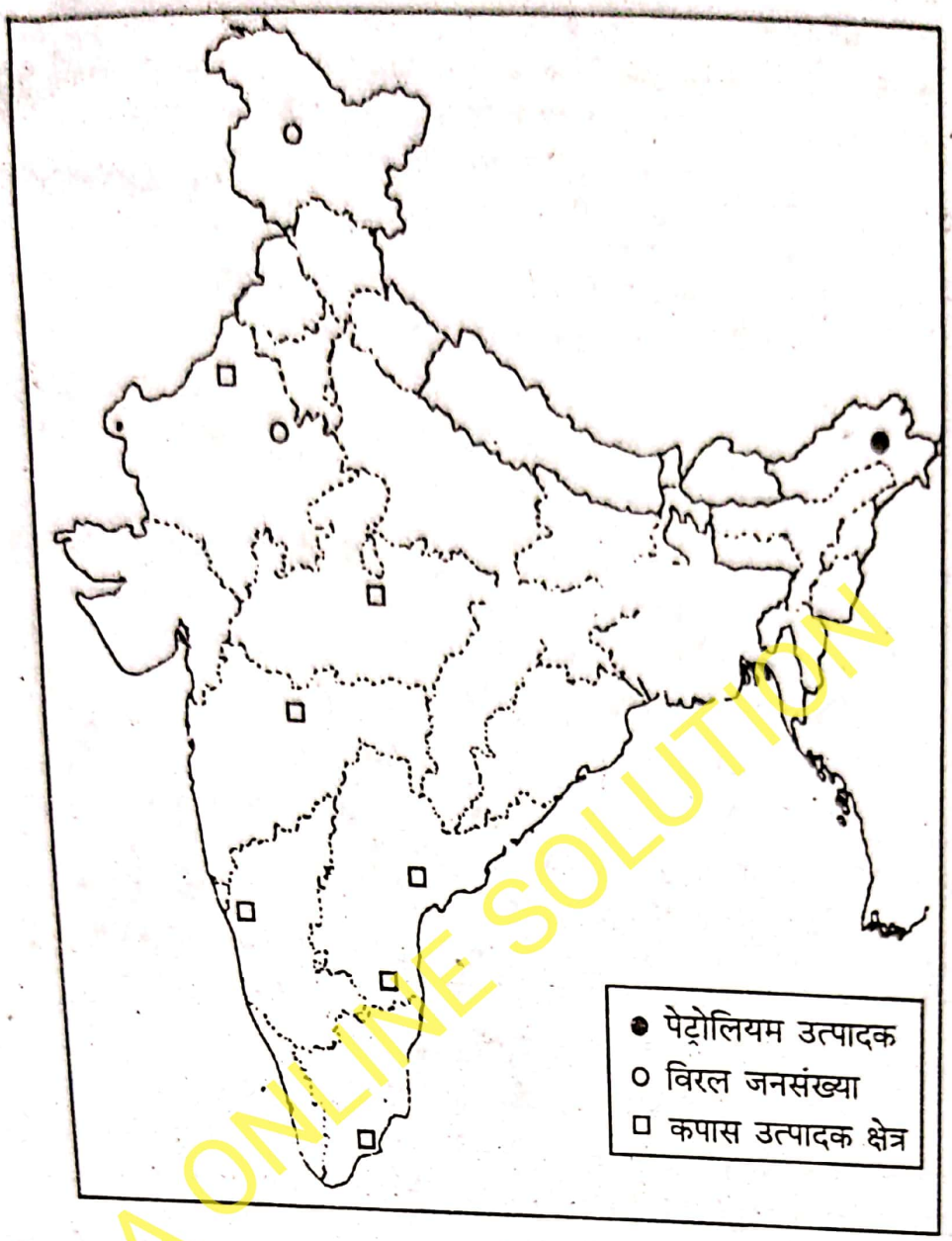

अथवा,

भारत में आधुनिक ढंग पर सूती वस्त्र उद्योग के प्रथम सफल कारखाना 1854 ई॰ में मुम्बई में स्थापित की गई। देश के अधिकांश सूती वस्त्र मिलें महाराष्ट्र, गुजरात, प॰ बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पंजाब में मिलता है।

(i) **महाराष्ट्र** : देश में सूती वस्त्र उत्पादन में इसका प्रथम स्थान है। यहाँ मुम्बई, पूणे, शोलापुर, कोल्हापुर आदि में यह पाया जाता है। मुम्बई को सूती वस्त्र की राजधानी कहते हैं।

(ii) **गुजरात** : यहाँ महीन किस्म का कपड़ा बनाया जाता है। यहाँ के प्रमुख क्षेत्रों में सूरत, राजगीर, बड़ोदरा, पोरबंदर और अहमदाबाद का नाम आता है। अहमदाबाद को पूर्व बोस्टन कहा जाता है।

(iii) **प॰ बंगाल** : यहाँ बाजार को ध्यान में रखकर उद्योग की स्थापना की गयी है। यहाँ के प्रमुख केन्द्रों में हावड़ा, चौबीस परगना, मुर्शीदाबाद आदि।

(iv) **तमिलनाडु** : यहाँ सूती कपड़ों की सर्वाधिक मिलें हैं। यहाँ के प्रमुख केन्द्रों में कोयम्बटुर, चेन्नई आदि हैं।

25. (ग) **26.** (क)

27. जिला परिषद् के तीन कार्य इस प्रकार हैं—

(i) जिला के अंतर्गत आने वाले शहर, अंचलों में साफ-सफाई की व्यवस्था करना।

(ii) सड़कों एवं गलियों में रोशनी का प्रबंध करना।

(iii) पीने के जल की व्यवस्था समुचित करना।

A A ONLINE SOLUTION

28. लोकतांत्रिक राजनीति में राजनीतिक दल सत्ता के बँटवारे में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक दल लोगों का ऐसा संगठित समूह है जो चुनाव लड़ने और राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से काम करते हैं। विभिन्न राजनीतिक दल सत्ता प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्द्धा के रूप में काम करते हैं। उन दलों की आपसी प्रतिद्वन्द्विता यह निश्चित करती है कि सत्ता हमेशा किसी एक व्यक्ति या संगठित व्यक्तियों के समूह के हाथ में न रहे। कालक्रम में बारी-बारी से अलग-अलग विचारधाराओं और समूहों वाले राजनीतिक दलों के हाथ में सत्ता आती-जाती रहती है।

लोकतांत्रिक राज्यों में जब आम चुनाव होता है और किसी पार्टी-विशेष को जब बहुमत नहीं मिलता है तब वह दो या दो से अधिक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के बल पर सरकार का गठन करती है। इसे गठबंधन सरकार कहते हैं। इसीलिए सत्ता की साझेदारी का सबसे अद्यतन रूप गठबंधन की राजनीति या गठबंधन की सरकारों में दिखता है। जब विभिन्न विचारधाराओं, विभिन्न सामाजिक समूहों और विभिन्न क्षेत्रीय और स्थानीय हितों वाले राजनीतिक दल एक साथ एक समय में सरकार के एक स्तर पर सत्ता में साझेदारी करते हैं और लोगों के हित में काम करते हैं। राजनीतिक दल राष्ट्रीय विकास के लिए देश में राजनीतिक स्थिरता को बनाए रखने और शांति बनाए रखने का कार्य भी करते हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि राजनीतिक दल सत्ता के बँटवारे में भी शामिल होते हैं।

अथवा,

ग्राम पंचायत के चार कार्य निम्नलिखित हैं—

(i) ग्राम पंचायत का प्रथम काम पंचायत क्षेत्र के विकास के लिए वार्षिक योजना एवं बजट तैयार करना है।

(ii) ग्राम पंचायत प्राकृतिक आपदा के समय लोगों की सहायता करता है।

(iii) सार्वजनिक संपत्ति से अतिक्रमण हटाना ग्राम पंचायत का एक अन्य कार्य है।

(iv) ग्राम पंचायत स्वैच्छिक श्रमिकों को संगठित करता है और सामाजिक कार्यों में स्वैच्छिक सहयोग करता है।

ग्राम पंचायत की तीन शक्तियाँ निम्नलिखित हैं—

(i) ग्राम पंचायत को पंचायत क्षेत्र में संपत्ति अर्जित करने, धारण करने तथा उसकी संविदा करने की शक्ति है।

(ii) ग्राम पंचायत को करारोपण करने का अधिकार है। वह जलकर, मेलों-हाटों में प्रबंध कर आदि लगा सकता है।

(iii) राज्य के वित्त आयोग की अनुशंसा के आधार पर ग्राम पंचायत संचित निधि से सहायक अनुदान प्राप्त कर सकता है।

29. सूचना के अधिकार का मुख्य उद्देश्य किसी भी नागरिक द्वारा सरकारी अभिलेख, इमेल आदेश, दस्तावेज, नमूने और इलेक्ट्रॉनिक आँकड़ों आदि के संबंध में पूछे गए सूचनाओं को प्राप्त करना था।

30. भाषा के चलते देश में किसी प्रकार की अड़चन या बलवा न होने देना भाषा नीति कहलाती है। भारत में 114 भाषाएँ बोली जाती हैं। हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी है। संविधान के अनुसार सरकारी काम-काज की भाषा में अंग्रेजी के प्रयोग के निषेध के बावजूद गैर-हिन्दी भाषी प्रदेशों की माँग के कारण अंग्रेजी का प्रयोग जारी है। तमिलनाडु में इसके लिए उग्र आंदोलन हुआ। इस विवाद को सरकार ने हिन्दी या अंग्रेजी भाषा के प्रयोग को मान्यता देकर सुलझाया।

31. भारत की स्त्रियाँ भेदभाव का शिकार हैं एवं कमजोर स्थिति में हैं क्योंकि (i) भ्रूण जाँच कर लड़की की गर्भ में ही हत्या कर दी जाती है। (ii) लड़के को ज्यादा सुविधा एवं लड़कियों को कम सुविधा प्रदान की जाती है।

32. भारतीय राजनीतिक दलों के प्रमुख चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं—

(i) राजनीतिक दलों के अन्दर लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभाव है।

(ii) भारत के प्राय: राजनीतिक दलों में कुशल नेतृत्व का संकट है।

33. सत्य **34.** 33% **35.** (क) **36.** (ग)

37. निजी क्षेत्र के कम्पनियों द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों पर पूर्ण या आंशिक रूप से स्वामित्व प्राप्त करना एवं उनका प्रबंध करना निजीकरण कहलाता है।

A ONLINE SOLUTION

38. मानव सभ्यता के विकास के क्रम से ही आर्थिक विकास भी हुआ है। विकास का अर्थ समयानुकूल बदलता रहता है। पहले आर्थिक विकास का अर्थ राष्ट्रीय आय में वृद्धि समझा जाता था। इसके बाद प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि को विकास का सूचक समझा जाने लगा। लेकिन वर्तमान समय में विकास का मतलब प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जीवन की गुणवत्ता अथवा जीवन-स्तर में सुधार तथा कुपोषण, बेरोजगारी एवं गरीबी में कमी करना समझा जाता है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो० रोस्टोव के अनुसार, "आर्थिक विकास एक ओर श्रम-शक्ति में वृद्धि की दर तथा दूसरी ओर जनसंख्या में वृद्धि के बीच का सम्बंध है। प्रो० मेयर एवं वाल्डविन का कहना है कि "आर्थिक विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा दीर्घकाल में किसी अर्थव्यवस्था की वास्तविक राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है।" अतः स्पष्ट है कि आर्थिक विकास एक परिवर्तन की प्रक्रिया है जिससे अर्थव्यवस्था के स्वरूप में परिवर्तन होता है एवं प्रतिव्यक्ति वास्तविक आय भी बदलती रहती है।

आर्थिक विकास और आर्थिक वृद्धि में सूक्ष्म अन्तर पाया जाता है। आर्थिक वृद्धि शब्द का प्रयोग विकसित देशों के लिए किया जाता है जबकि आर्थिक विकास शब्द का प्रयोग विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों के लिए किया जाता है।

अथवा,

मानव सभ्यता के प्रारंभ में वस्तु-विनिमय प्रणाली प्रचलित थी। किसी एक वस्तु का किसी दूसरी वस्तु के साथ बिना मुद्रा के प्रत्यक्ष रूप से लेन-देन वस्तु-विनिमय प्रणाली कहलाता है। उदाहरण के लिए गेहूँ से चावल बदलना।

वस्तु-विनिमय प्रणाली की कठिनाइयाँ—वस्तु-विनिमय प्रणाली की प्रमुख कठिनाइयाँ निम्नलिखित हैं—

(i) **आवश्यकताओं के दोहरे संयोग का अभाव :** वस्तु-विनिमय प्रणाली की पहली कठिनाई यह है कि इसमें आवश्यकताओं के दोहरे संयोग का अभाव पाया जाता है। आवश्यकताओं के दोहरे संयोग का मतलब यह है कि दो व्यक्ति ऐसे होने चाहिए जिनको एक-दूसरे की वस्तु की आवश्यकता हो और वे उन्हें बदलने के लिए तैयार हों।

(ii) **मूल्य के सामान्य मापक का अभाव :** वस्तु-विनिमय प्रणाली की दूसरी कठिनाई यह है कि इसमें मूल्य के एक सामान्य मापक का अभाव पाया जाता है। इसके कारण दो वस्तुओं के बीच विनिमय की मात्रा निश्चित करना कठिन हो जाता है। उदाहरण के लिए यह कहना कठिन है कि एक बकरी के बदले कितना कपड़ा दिया जाए।

(iii) **वस्तुओं की विभाजकता का अभाव :** कुछ वस्तुएँ ऐसी होती हैं जिनका विभाजन नहीं किया जा सकता तथा विभाजन करने से उनकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है। ऐसी स्थिति में इन वस्तुओं की अविभाज्यता के कारण वस्तु-विनिमय में कठिनाई उत्पन्न हो जाती है। मान लिया कि किसी के पास एक गाय है और उसके बदले में उसे तीन या चार वस्तुएँ लेनी है और वे वस्तुएँ अलग-अलग व्यक्तियों के पास हैं।

(iv) **मूल्य के संचय का अभाव :** वस्तु-विनिमय प्रणाली के अन्तर्गत लोगों के द्वारा उत्पादित वस्तुओं के संचय की असुविधा थी। व्यक्तियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को अधिक दिन तक संचय करने में असुविधा इसलिए थी कि इसके सड़ने-गलने का भय था।

(v) **भविष्य के भुगतान के साधन का अभाव :** वस्तु-विनिमय प्रणाली में उधार तथा लेन-देन का काम बहुत कम हो सकता है क्योंकि इसमें भविष्य में भुगतान करने के साधन का अभाव होता है।

39. स्वयं-सहायता समूह ग्रामीण क्षेत्र में एकसमान सामाजिक, आर्थिक स्तर के 15-20 व्यक्तियों का एक अनौपचारिक समूह होता है जो अपनी बचत तथा बैंकों से लघु ऋण लेकर अपने सदस्यों के पारिवारिक जरूरतों को पूरा करते हैं और विकास गतिविधियाँ चलाकर गाँवों का विकास और महिला सशक्तीकरण में योगदान करते हैं। स्वयं-सहायता समूहों की स्थापना महाजनों के शोषण से गरीब जनता को बचाने तथा उन्हें सस्ती दरों पर ऋण प्रदान करने के लिए गाँवों या कस्बों में की गई। स्वयं-सहायता समूहों के लिए रकम प्राप्त करने के दो मुख्य स्रोत हैं— (i) सदस्यों की बचत तथा (ii) बैंकों से ऋण।

40. मुद्रा के कार्य को निम्नलिखित प्रकार से वर्णित किया जा सकता है—

(i) **विनिमय का माध्यम :** मुद्रा का प्रमुख कार्य यह है कि यह विनिमय के माध्यम का कार्य करती है। मुद्रा के माध्यम से एक वस्तु का दूसरी वस्तु से सरलतापूर्वक विनिमय किया जा सकता है।

A1 ONLINE SOLUTION

(ii) **मूल्य का मापक :** मुद्रा का दूसरा महत्त्वपूर्ण कार्य है मूल्य के मापक के रूप में कार्य करना। मुद्रा मापन की इकाई का कार्य करती है।

(iii) **विलम्बित भुगतान का मान :** मुद्रा विलम्बित भुगतान के मान का कार्य करती है। वर्तमान समय में उधार के लेन-देन का काम मुद्रा के द्वारा किया जाता है और उधार ली गई रकम का भुगतान भविष्य में करना पड़ता है। इस कार्य के लिए मुद्रा अधिक उपयुक्त है।

(iv) **मूल्य का संचय :** मुद्रा मूल्य के संचय अथवा क्रय-शक्ति के साधन का कार्य करती है। मुद्रा के कारण मूल्य अथवा धन के संचय का मार्ग सुगम हो गया है। इसके कारण पूँजी निर्माण का काम सुगम हो गया है।

(v) **क्रय-शक्ति का हस्तांतरण :** मुद्रा का एक प्रमुख कार्य क्रय-शक्ति का हस्तांतरण भी है। मुद्रा के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपनी क्रय-शक्ति दूसरे को दे सकता है या एक स्थान पर अपनी अचल सम्पत्ति को बेचकर दूसरे स्थान पर सम्पत्ति खरीद सकता है। मुद्रा के इस कार्य से आर्थिक विकास को बहुत बल मिला है।

41. R.B.I — Reserve Bank of India
G.N.P. — Growth National Product

42. ए॰ टी॰ एम॰ प्लास्टिक मुद्रा का एक रूप है, ए॰ टी॰ एम॰ का अर्थ है स्वचालित टेलर मशीन। यह मशीन 24 घंटे रुपये निकालने तथा जमा करने की सेवा प्रदान कराता है।

43. 1995 **44.** 1951 **45.** (क)

46. अत्यंत अल्प समय में घटने वाली ऐसी दुर्घटनाएँ जिनका तत्काल प्रभाव मानव के जीवन तथा उसकी सम्पत्ति पर पड़े तथा जिससे जान-माल की काफी अधिक क्षति हो तो इस परिस्थिति को ही आपदा (Disaster) कहते हैं।

47. आपात स्थितियों में संचार व्यवस्था की एक अत्यंत सुविधाजनक प्रणाली को हैम रेडियो कहते हैं। इसका प्रयोग गैर-वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए किया जाता है। इसमें आधारीय इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं होती है। यह एक विशेष फ्रीक्वेंसी की तरंगों का प्रयोग अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार नियमों के अनुसार करती है। यह संचार व्यवस्था आपदा के दौरान सूचना के प्रेषण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

□

AA ONLINE SOLUTION